www.lnmuonline.com

LNMU Question Paper BA Part-2 - 2014

Maithili (Hons.) Paper-IV

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी मे लिखू।

1. निम्नलिखित प्रश्नक उत्तर लिखू :
   (क) 'सावित्री-सत्यवान' नाटक कतेक अंक मे अछि?.
   (ख) 'नर्मदा सागर सट्टक' मैथिली अकादेमी प्रकाशनक कोन पोथीक मे संगृहीत अछि?
   (ग) 'अरण्य फसिल' नाटकक मूल लेखक के छथि?
   (घ) 'बाइचान्स' एवं 'श्रमदान' शीर्षक कोन पोथी मे संगृहीत अछि?
   (ङ) ओड़िया नाटक 'अरण्य फसिल' कोन पुरस्कार सँ पुरस्कृत अछि?
   (च) 'खजवा टोपी' एकांकीक लेखक के छथि?
   (छ) सावित्रीक पिताक नाम की छल?
   (ज) सरोज आ सुन्दर कोन पोथीक पात्र छथि?
   (झ) 'नर्मदा सागर सट्टक' मे कतेक स्त्री ओर पुरुष पात्र छथि?
   (ञ) 'अरण्य फसिल' नाटकक अनुवाद के कएने छथि?
2. निम्नांकित कोनो तीन प्रश्नक उत्तर लिखू :
   (क) 'अरण्य फसिल' नाटकक वैशिष्ट्यक उल्लेख करू।
   अथवा, 'अरण्य फसिल' नाटकक कथावस्तु मे पुरुष ओ नारीक जटिलताकें कोन प्रकारें देखाओल गेल अछि—स्पष्ट करू।
   (ख) 'सावित्री-सत्यवान' नाटकक विशेषता सँ परिचय कराउ।
   अथवा, 'सावित्री-सत्यवान' नाटकक आधार पर सावत्रीक चरित्र-चित्रण करू।
   (ग) 'नर्मदा सागर सट्टक' नाटकक कथावस्तुक समीक्षा करू।
   अथवा, 'नर्मदा सागर सट्टक' नाटकक नायक सागरक चरित्र-चित्रण करू।
   (घ) 'खजवा टोपी' एकांकीक भाव स्पष्ट करू।
   अथवा, 'दिशाबोध' अथवा 'घरैया लूरि' शीर्षक एकांकीक कथावस्तु लिखु।
3. निम्नांकित कोनो दू उद्धरणक सप्रसंग व्याख्या लिखू :
   (क) ओ नेना छल केहन उकाही। उचकि पड़ायल हमर फराठी।
   बीतल वयस वर्ष थिक साठी। पैर न सोझ पड़य बिन लाठी।।
   (ख) अवस्था प्राप्त भेला कन्याक विवाह कैये देब उचित थीक, कियैक तौं काल बितला पर कामक रस काल पीबि जान छथि। वास्तवमे पुरुष व्यतिरेक तरुणी स्त्री शोभ नहि पबै छथि।
   (ग) सौन्दर्यक गुण देखला सन्ता बोध होइत अछि जे ब्रह्मा पहिने ब्रह्माण्डक चित्रपर रचना कय कोन पदार्थ सुन्दर बनाओल गेल से विचार एहि मूर्तिकें विशेष सुन्दर जानि प्राणदान कय देलैन्ह, हाथ सौं एहन प्रतिमा गठन नहि भै सकितैन्ह।
   (घ) एकर बाद जानवर जँगलक भीतर चल गेल। ..... साहेब बन्दूकल'कए ओकर पाछाँ-पाछाँ गेलाह। हम सोचलहुँ, हुजूरक गोली नहि लागल ..... भिनसरभ' गेल ..... साहेब घुरि आयल हैताह ..... किछु काल धरि प्रतीक्षाक' हम चल अयलहुँ ..... बकरीक बात स्मरणभ' गेल ....।
   (ङ) यदि हमरे अहाँ विचार पतित हो त स्वतंत्रता के लेत ?
   तेहना स्थिति में सरकार जँ कोनो सुविधाक प्रबन्ध करत त हमरे अहाँक हाथें। आ हम अहाँ स्वार्थक साधन लागि जाइ ई दोष सरकारक अथवा हमरा अहाँक ?

—0—

www.lnmuonline.com